This question paper contains **3** printed pages]

F—2—2017

FACULTY OF ARTS

M.A. (First Year) (First Semester) EXAMINATION

MARCH/APRIL, 2017

हिंदी

Paper I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य, भाग-I)

(Thursday, 20-4-2017) **Time : 10.00 a.m. to 1.00 p.m.**

Time—3 *Hours* *Maximum Marks*—75

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) दाहिनी ओर प्रश्नों के पूर्णांक दिए गए हैं।

1. संदर्भ सहित अर्थ स्पष्ट कीजिए :

(अ) पूस जाड थर-थर तन काँपा। सूरूज जडाई लंका दिसि तापा॥
बिरह बढि, भा दारून सीऊ। कँपि-कँपि मरौ, लीहि हरि जीऊ॥
कंत कहाँ हैं, लागौं हियरे। पंथ अपार सूझ नह नियरें॥
सौर सुपेती आवै जूडी। जानहुँ सेज हिवंचल बूडी॥ 10

अथवा

सैसव जौवन दरसन भेल।
दुहु दल-बले दन्द परि गेल॥
कबहु बाँधय कच कबहु बिथारि।
कबहु झाँपथ अँग कबहु उघारि।

(आ) चिंता तौ हरि नांव की, और न चिंता दास।
जे कुछ चितवै राम बिन, सोइ काल की हास॥
मेरा मन सुमिरै राम कू, मेरा मन रामहि आहि।
अब मन रामाहि है रह्या, सीस नवावौ काहि॥ 10

P.T.O.

अथवा

हरिन इन्दु अरबिन्द करिनि हेम
पिक बूझल अनुमानी।
नयन बदन परिमल गति तन रुचि
अओ अति सुललित बानि॥

2. कबीर ने भक्तिभावना में गुरु को महत्वपूर्ण स्थान दिया है। 'गुरुदेव को अंग' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

पद्मावत के नागमती विरह वर्णन को विशद कीजिए।

3. टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) कबीर के माया संबंधी विचार। 10

अथवा

विद्यापति की भक्ति-भावना।

(आ) विद्यापति की शृंगार भावना। 10

अथवा

पद्मावती की जल क्रीडा।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **15-20** पंक्तियों में लिखिए : 5

(*i*) मीराबाई का जीवन-परिचय लिखिए।

(*ii*) सरहपाद की रचनाओं का परिचय दीजिए।

(*iii*) रैदास के साहित्य की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) कृष्णकाव्य की परंपरा में नंददास का साहित्यिक योगदान स्पष्ट कीजिए।

5. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : 5

(*i*) 'जडिया' कवि के रूप में कौन प्रसिद्ध है ?

(*ii*) राहुल सांकृत्यायन ने हिंदी का पहला कवि किसे माना है ?

(*iii*) 'पृथ्वीराज रासो' के रचनाकार कौन हैं ?

66FD82B99074BB89F085274121D56BC3

(*iv*) मीराबाई के पिता का नाम क्या था ?

(*v*) मीरा ने किसे अपना गुरु माना है ?

(आ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 5

(*i*) 'दोहाकोश' के रचयिता ..... हैं।

(*ii*) मीराबाई को जहर ..... ने दिया।

(*iii*) 'पृथ्वीराज रासो' ..... रस-प्रधान रचना है।

(*iv*) 'रासपंचाध्यायी' ..... कवि की रचना है।

(*v*) रैदास के पिता का नाम ..... था।

66FD82B99074BB89F085274121D56BC3